www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–45 | RNI-No.: UPHIN/2011/43806 | लखनऊ,मंगलवार 13 जनवरी, 2026 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

जनता दर्शनः सीएम योगी बोले

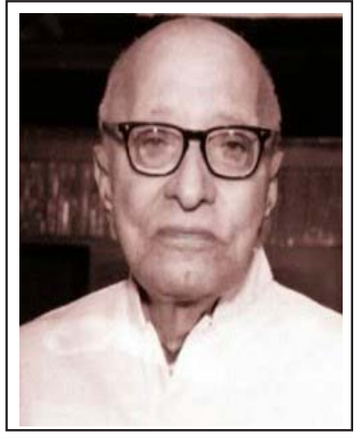

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं...भूमाफिया के खिलाफ जारी रहेगा एक्शन, सुनीं समस्याएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अवैध कब्जे और दबंगों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का भरोसा दिलाया। बच्चों को दुलारते हुए ठंड में विशेष देखभाल की सलाह दी।

लखनऊ 12 जनवरी (एजेसी)।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है। इसमें हीला–हवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें।

गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने 'जनता दर्शन' में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम ने कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। आप भी हॉस्पिटल से जल्द एस्टिमेट बनवाकर दें, एस्टिमेट मिलते ही आपके इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी। धन के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा। 'जनता दर्शन' में कई बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। नन्हे–मुन्ने बच्चों के सामने सीएम योगी का बालप्रेम फिर उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने बच्चों का हाल जाना, उन्हें दुलारा–पुचकारा और चॉकलेट दी। सीएम ने अभिभावकों से कहा कि ठंड में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। यह अपनत्वपूर्ण भाव सुनकर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

मजबूत डोर से बँधे भारत-जर्मनी रिश्तों ने भरी नई उड़ान

मोदी और मर्ज की वार्ता से मिली यूरोप की एशिया नीति को नई दिशा

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चांसलर मर्ज को जर्मन मर्सिडीज कार में साथ ले जाना भी साधारण घटना नहीं थी। यह एक प्रतीकात्मक संदेश था कि भारत आधुनिकता, तकनीक और वैश्विक मानकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है।

नई दिल्ली 12 जनवरी (एजेसी)।अहमदाबाद की ठंडी सुबह जब साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज नतमस्तक हुए, तभी स्पष्ट हो गया था कि यह दौरा गहरे रणनीतिक संकेत देने वाला है। जर्मन चांसलर की यह यात्रा भारत जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्षों को एक नई दिशा देने वाली साबित हुई।गांधी आश्रम में श्रद्धांजलि के बाद दोनों नेता साबरमती रिवरफ्रंट पहुंचे, जहां अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 का उद्घाटन हुआ। खुले वाहन में साथ बैठकर मोदी और मर्ज का शहर भ्रमण और फिर पतंग उड़ाना प्रतीकों से भरा दृश्य था। यह सांस्कृतिक आत्मीयता के साथ साथ राजनीतिक संदेश भी था कि भारत और जर्मनी केवल सम्मेलन कक्षों में नहीं बल्कि जनता और परंपराओं के बीच भी साझेदारी को जीना चाहते हैं।वहीं गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में हुई औपचारिक वार्ता में दोनों देशों ने व्यापक संयुक्त बयान जारी किया। इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती देने, आतंकवाद से निपटने, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, हाइड्रोजन मिशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास और उच्च शिक्षा में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। साथ ही व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने स्पष्ट लक्ष्य तय किए। हम आपको बता दें कि भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय व्यापार अब पचास अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है तथा इसे और तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस समय दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और जर्मनी भारत को यूरोप में अपने सबसे भरोसेमंद आर्थिक साझेदारों में देख रहा है। भारतीय कंपनियों के लिए भी जर्मनी को यूरोपीय बाजार का प्रवेश द्वार माना जा रहा है।चांसलर मर्ज ने भारत के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की इच्छा स्पष्ट रूप से जताई। देखा जाये तो बदलते वैश्विक हालात में जर्मनी अपनी ऊर्जा और रक्षा जरूरतों के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता। भारत के साथ रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और रणनीतिक संवाद को मजबूत करना इसी दिशा में एक कदम है। साथ ही जर्मनी भारत को हिंद प्रशांत क्षेत्र में एक स्थिरता कारक के रूप में देखता है।

ओवैसी हमारे देश की कौमी एकता में बहुत बड़ी बाधा हैं : मनोज तिवारी

नागपुर ,12 जनवरी (एजेसी)। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की कौमी एकता में ओवैसी जैसे लोग बहुत बड़ी बाधा हैं। नागपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि वे सपने देखते हैं कि एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला देश की प्रधानमंत्री बनेगी। यह वही सोच है। आप हिजाब पहनने वाली महिलाओं की बात करते हैं, तो क्या आपकी कम्युनिटी में कोई और महिलाएं नहीं हैं जिनके बारे में आप बात कर सकें? यही समस्या है। अगर मुस्लिम किसी का समर्थन करेंगे, तो शरजील इमाम का करेंगे। हम तो अब्दुल कलाम जैसे लोगों को सपोर्ट करते हैं।बीएमसी चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा–महायुति गठबंधन ने लोगों का भरोसा जीता है, और कॉर्पोरेशन में भी जनता हमें जीताकर भेजेगी। लोगों के मन में यह साफ हो गया है कि अगर बिना किसी भेदभाव के कोई लोगों का भला चाहने वाला है तो वह भाजपा है। हमें पूरा भरोसा है कि नागपुर में हमारे सभी भाई–बहन और वोटर कॉर्पोरेशन में भाजपा को ही वोट देंगे। बीएमसी चुनाव और मेयर को लेकर हो रही बयानबाजी पर मनोज तिवारी ने कहा कि महाराष्ट्र में मेयर छत्रपति शिवाजी महाराज के अनुयायी होंगे, जोहरान ममदानी की तरह नहीं, जो उमर खालिद और शरजील इमाम का समर्थन करते हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा पर एफआईआर दर्ज होने पर मनोज तिवारी ने कहा कि इस देश में हम सिख गुरुओं को सबसे ऊपर मानते हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड की तबीयत बिगड़ी,

एआईएमएस में भर्ती, होगा एमआरआई स्कैन बंद

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हाल ही में दो बार बेहोश होने के बाद जांच के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है, जो उनकी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर करता है। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था और पहले भी कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में बेहोश हो चुके हैं।

नई दिल्ली 12 जनवरी (एजेसी)।पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) में भर्ती कराया गया, जहां पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद उनका एमआरआई किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 10 जनवरी को, जब वे वॉशरूम गए थे, तब उन्हें दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया कि आज वे जांच के लिए एआईएमएस गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें जांच के लिए भर्ती करने की सलाह दी।यह ध्यान देने योग्य है कि उपराष्ट्रपति के रूप में सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने के दौरान जगदीप धनखड़ पहले भी कई बार बेहोश हो चुके हैं, जिनमें कच्छ का रण, उत्तराखंड, केरल और राजधानी राजधानी शामिल हैं। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। कुछ सप्ताह बाद, सितंबर में, उन्होंने उपराष्ट्रपति के आधिकारिक आवास, उपराष्ट्रपति एन्क्लेव को खाली कर दिया और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए।छतरपुर के गदाईपुर इलाके में स्थित यह फार्महाउस आईएनएलडी नेता अभय चौटाला का है। 22 अगस्त को, धनखड़ ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को मिलने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया।

खरमास के बाद बिहार में बड़ा खेला! आरसीपी सिंह की जेडीयू में होगी वापसी? बोले- नीतिश और हम एक हैं

नई दिल्ली 12 जनवरी (एजेसी)।पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में संभावित वापसी को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं। आरसीपी सिंह, जिन्हें कभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिना जाता था, को पहले पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह, दोनों पटेल समुदाय से संबंध रखते हैं, और रविवार को समुदाय द्वारा आयोजित मकर संक्रांति भोज में आमंत्रित थे। हालांकि, दोनों नेता अलग–अलग समय पर पहुंचे और उनकी मुलाकात नहीं हुई। फिर भी, नीतीश कुमार के जाने के बाद आरसीपी सिंह द्वारा की गई टिप्पणियों ने जेडीयू में उनकी वापसी की अटकलों को फिर से हवा दे दी है।ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी से निष्कासित आरसीपी सिंह एक बार फिर नीतीश कुमार के साथ नजर आ सकते हैं। खरमास के बाद जेडीयू में उनकी वापसी की खबरों के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार बिहार के सम्मानित मुख्यमंत्री हैं और राज्य की जनता के बीच लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि आपको क्यों लगता है कि हम दो अलग–अलग व्यक्ति हैं? हम एक हैं। हमने 25 साल साथ काम किया है। क्या कोई उन्हें उतना अच्छी तरह जानता है जितना मैं जानता हूं या क्या वह किसी को उतना अच्छी तरह जानते हैं जितना मुझे जानते हैं?खरमास के बाद जेडीयू में दोबारा शामिल होने के बारे में सीधे पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "आपको इसके बारे में पता चल जाएगा।" मई 2024 में, सिंह ने प्रशांत किशोर की जन सूरज पार्टी के साथ हाथ मिलाया था और कुछ ही महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपने पूर्व मार्गदर्शक को चुनौती देने का संकल्प लिया था। जेडीयू से निष्कासित होने के बाद उन्होंने अपनी खुद की पार्टी श्आप सबकी आवाजश भी बनाई थी। बिहार के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके पूर्व नौकरशाह सिंह पार्टी में महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर रहे और कुछ समय के लिए पार्टी के प्रमुख भी रहे।लेकिन 2022 में उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी, जब वे मुख्यमंत्री की नजरों से गिर गए। मुख्यमंत्री ने उन पर बिना अनुमति के केंद्रीय मंत्रिमंडल में पद स्वीकार करने का आरोप लगाया था। बाद में, सिंह ने जेडीयू छोड़कर 2023 में भाजपा में शामिल हो गए।

बीएमसी चुनाव में एनसीपी बनेगी किंगमेकर!

नवाब मलिक का दावा- हमारे बिना नहीं बनेगा मेयर

एनसीपी नेता नवाब मलिक ने आगामी बीएमसी चुनावों में त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि एनसीपी के समर्थन के बिना कोई भी दल अपना मेयर नहीं बना पाएगा। उन्होंने भाजपा पर एआईएमआईएम को शबी टीमश के रूप में इस्तेमाल करने और कांग्रेस पार्षदों से समर्थन लेने का भी आरोप लगाया।

नई दिल्ली 12 जनवरी (एजेसी)।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में पार्टी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दावा किया कि अन्यथा षत्रिशंकुष विधानसभा में पार्टी ही बहुमत तय करेगी। एएनआई से बात करते हुए नवाब मलिक ने कहा कि मैं शुरू से ही कह रहा हूं कि बीएमसी में त्रिशंकु विधानसभा होगी और एनसीपी की मदद के बिना कोई महापौर नहीं चुना जा सकेगा। इसलिए अगर कोई सोचता है कि चुनाव परिणाम बदलेगा, तो वह गलतफहमी में है।पुणे और पिंपरी–चिंचवाड़ नगर निगम की तरह शरद पवार के गुट के साथ नहीं, बल्कि अकेले बीएमसी चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर नवाब मलिक ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि वे अकेले चुनाव लड़ें। दोनों एनसीपी का विलय जब भी होगा, पवार साहब (शरद पवार) और अजीत दादा (अजित पवार) इस पर फैसला लेंगे। मैं विलय के समय पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन यह निश्चित है कि दोनों गुटों के कार्यकर्ता इच्छुक हैं और उम्मीद करते हैं कि दोनों एनसीपी एक साथ आएं।अंबरनाथ और अकोला में क्रमशः कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ भाजपा के हालिया गठबंधन पर नवाब मलिक ने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी, जिसमें एनसीपी भी शामिल है, की आलोचना की। उन्होंने कहा, ष्अकोट (अकोला) में भाजपा ने एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करके इस बात को पुष्ट किया है कि भाजपा एआईएमआईएम को अपनी शबी टीमश के रूप में इस्तेमाल कर रही है। इसी तरह, अंबरनाथ में भी भाजपा ने कांग्रेस पार्षदों को अपने साथ लिया, लेकिन हमने एनसीपी का समर्थन करना चुना। भाजपा, जो कांग्रेस–मुक्त भारत का दावा करती है, लेकिन उन्हीं कांग्रेस पार्षदों का समर्थन ले रही है।यह ऐसे सम में हो रहा है जब महाराष्ट्र में आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा रहा है। इन चुनावों में पुणे नगर निगम (पीएमसी), बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और पिंपरी–चिंचवड नगर निगम (पीसीएमसी) सहित राज्य भर की 29 नगर निगमों के लिए चुनाव होने हैं। मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को निर्धारित है।

6000 करोड़ फ्राड केस में बड़ा एक्शन, ED को धमकाने वाला कल्याण बनर्जी गिरफ्तार,नौहेरा शेख का करीबी?

ईडी की जांच में पता चला कि नौहेरा शेख ने अपराध से प्राप्त धन के एक हिस्से का उपयोग अपने नाम, अपनी कंपनियों के नाम और अपने रिश्तेदारों के नाम पर विभिन्न अचल संपत्तियों की खरीद के लिए किया था।

नई दिल्ली 12 जनवरी (एजेसी)।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद में नौहेरा शेख और अन्य के खिलाफ 5,978 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांचकर्ताओं को धमकाने और जांच प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर रहे एक फर्जी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कल्याण बनर्जी नामक इस फर्जी व्यक्ति को 10 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। ईडी के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने बनर्जी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया। बनर्जी को 11 जनवरी को विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया और अदालत ने उन्हें 23 जनवरी, 2026 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।ईडी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि षकिसी भी बेईमान व्यक्ति द्वारा जांच कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा और उनके खिलाफ कानून के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी। ईडी ने आगे बताया कि वह विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारियों द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर नौहेरा शेख और अन्य के खिलाफ पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत एक मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों की जांच में अन्य बातों के अलावा यह पता चला कि नौहेरा शेख और अन्य ने जनता से 36 प्रतिशत से अधिक वार्षिक रिटर्न का वादा करके 5978 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश एकत्र किया था, लेकिन मूलधन तक वापस नहीं किया, जिससे निवेशकों को धोखा दिया गया।ईडी की जांच में पता चला कि नौहेरा शेख ने अपराध से प्राप्त धन के एक हिस्से का उपयोग अपने नाम, अपनी कंपनियों के नाम और अपने रिश्तेदारों के नाम पर विभिन्न अचल संपत्तियों की खरीद के लिए किया था।

बिहार राजनीति में नया मोड़ः तेज प्रताप की मांग भाई नीतिश संग लालू यादव को भी मिले भारत रत्न

तेज प्रताप यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार दोनों के लिए भारत रत्न की मांग की है, जो जेडीयू नेता के.सी. त्यागी की नीतीश के लिए की गई अपील के बाद आई है। हालांकि, जेडीयू ने त्यागी की मांग से खुद को अलग करते हुए इसे उनका व्यक्तिगत विचार बताया है, जिससे इस पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

नई दिल्ली 12 जनवरी (एजेसी)।जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने मांग की है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को नीतीश कुमार के साथ भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को भी भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। अगर लोग कह रहे हैं कि नीतीश कुमार को यह सम्मान मिलना चाहिए, तो उन्हें भी दे दीजिए, क्योंकि कहा जाता है कि मेरे पिता और नीतीश कुमार भाई समान थे... यह जनशक्ति जनता दल की मांग है। ये टिप्पणियां जनता दल (यूनाइटेड) के नेता के.सी. त्यागी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित करने पर विचार करने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई हैं। अपने पत्र में त्यागी ने कुमार को समाजवादी आंदोलन का अनमोल रत्न बताया और कहा कि कई नेताओं को अपने जीवनकाल में यह सम्मान प्राप्त हुआ है। हाल ही में मिले पुरस्कारों का जिक्र करते हुए त्यागी ने लिखा, "30 मार्च, 2024 हमारे पूर्वजों को सम्मान देने का दिन था। आपके प्रयासों के फलस्वरूप ही उन्हें सर्वोच्च सम्मान, श्भारत रत्नश से नवाजा गया।" उन्होंने आगे कहा, "आपके प्रयासों से प्रभावित होकर मैं विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि समाजवादी आंदोलन के अनमोल रत्न नीतीश कुमार भी इस सम्मान के पात्र हैं।"हालांकि, जेडीयू ने त्यागी की अपील से तुरंत खुद को अलग कर लिया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि त्यागी के विचार संगठन की स्थिति को नहीं दर्शाते हैं। प्रसाद ने कहा, "पूर्व पार्टी सांसद ने हाल ही में कई ऐसे बयान दिए हैं जो पार्टी की विचारधारा और आधिकारिक रुख के अनुरूप नहीं हैं।

उनके द्वारा दिए गए सभी बयान उनकी व्यक्तिगत क्षमता में दिए गए माने जाएंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के पदाधिकारियों को यह स्पष्ट नहीं है कि त्यागी अभी भी पार्टी में किसी पद पर हैं या नहीं।

इसरो की साल की पहली लान्चिंग असफल

श्रीहरिकोटा , 12 जनवरी (एजेसी)।। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने आज सोमवार 12 जनवरी को अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगा दी है। इसरो ने देश के सैटेलाइट श्व्इव्ै–ह्1 अन्वेषा को क्कस्ट्टक ष्ट–62 मिशन के तहत अंतरिक्ष में भेजा। इस सैटेलाइट की मदद से सीमा निगरानी, छिपे लक्ष्यों की पहचान और पर्यावरण मॉनिटरिंग में क्रांति आने की संभावना थी। जानकारी के मुताबिक, इसरो का साल 2026 का पहला सेटेलाईट लॉन्च सुबह करीब 10 बजकर 17 मिनट पर श्री हरिकोटा स्पेस पोर्ट से हुआ। हालांकि, ये मिशन थर्ड फेज के आखिरी चरण में आई तकनीकी खामी के कारण असफल रहा।

इसरो ने अपने 2026 के प्रक्षेपण कैलेंडर की शुरुआत सोमवार को शपीएसएलवी–सी62य मिशन के साथ की। इस मिशन के तहत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह शईओएस–एन1य और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में स्थापित किया जाना था। इसरो की वाणिज्यिक शाखा श्न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड्य (एनएसआईएल) के इस मिशन में शामिल 14 अन्य सह–यात्री उपग्रह देशी और विदेशी ग्राहकों के हैं ।

वे सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण स्थल से लॉन्च किए गए थे।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप–प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति सम्बन्धी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के प्रेस में जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे थे। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है।

सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा। वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब तब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है।

तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी 2021 का चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल के पद को हथियाने में सफल रही। 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता ही जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं।बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईस्वी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है। ममता बनर्जी बहुत पहले से ही अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल–पुथल को देश देख रहा है।

दरअसल ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोडकर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न जारी है।

भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने–सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से हराकर दिखाएं। वे चुनौती की भाषा बोलती हैं लेकिन असल चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव हैं। (हिफी)

सम्पादकीय

कर्मकांड का वह दौर लौट आया

भारत दर्शन का मतलब भीड़ का दर्शन है। नए साल की शुरुआत देश भर के धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, होटलों या रेस्तरां में भीड़ की खबरों से हुई है। पिछले एक हफ्ते से देश के अलग अलग धर्मस्थलों से लोगों के जुटने की जैसी खबरें आईं, उनसे इस बात की पुष्टि हुई कि भारत के लोगों को ज्यादा से ज्यादा धार्मिक बनाने का भारत सरकार और भाजपा का प्रोजेक्ट सफल हुआ है। एक समय श्गर्व से कहो हम हिंदू ह्यैं के नारे लगते थे लेकिन तब लोग इस पहचान को लेकर इतने सीरियस नहीं थे। आज यह नारा नहीं लगता है लेकिन लोग अपनी हिंदू पहचान को लेकर सचमुच सीरियस हैं और इसके प्रदर्शन का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इसी वजह से कर्मकांड का वह दौर लौट आया है, जिसे भारत पीछे छोड़ चुका था।

नए साल में और आने वाले कई सालों में इसी वजह से हर जगह भीड़ बढ़ेगी। मंदिरों में भीड़ बढ़ेगी, कथावाचकों के प्रवचनों में भीड़ बढ़ेगी तो ज्योतिष और कर्मकांड करने वालों की भीड़ भी बढ़ती जाएगी। नेताओं की सभाओं में भीड़ बढ़ेगी तो फिल्मी सितारों को देखने के लिए भी भीड़ उमड़ेगी। दुनिया भर के कलाकार भारत में शो करने या कन्सर्ट के लिए आ रहे हैं क्योंकि भारत के पास 140 करोड़ की भीड़ है। 2025 को विदाई देने के लिए जितने भी कार्यक्रम हुए सबमें भीड़ उमड़ी।

नए साल के मौके पर खबर है कि देश के सभी धार्मिक स्थलों पर लाखों लोगों की भीड़ जुटी। अयोध्या में साल के पहले दिन पांच लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। पिछले एक हफ्ते में 20 लाख से ज्यादा लोगों ने अयोध्या में दर्शन किए। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में एक जनवरी, गुरुवार को शाम तक पांच लाख लोग दर्शन कर चुके थे और भीड़ देख कर मंदिर प्रशासन ने लोगों से पांच जनवरी तक वृंदावन नहीं आने की अपील की है। उधर उज्जैन के महाकाल मंदिर भी श्रद्धालुओं की भीड़ 31 दिसंबर की आधी रात से ही लाइन में खड़ी थी। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन बंद करना पड़ा।

राजस्थान के सीकर में खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए देश भर के लोग पहुंचे। करीब छह लाख लोग 15 से 17 किलोमीटर तक पैदल चले और दर्शन किया। इसी तरह चितौड़गढ़ में सावंलिया सेठ के दर्शन के लिए लाखों लोग जुटे। भीड़ देख कर मंदिर प्रशासन को भगवान के सोने और शृंगार के समय में कटौती करनी पड़ी और 15 घंटे में करीब पांच लाख लोगों ने दर्शन किए। चुरू के सालासर बालाजी के मंदिर में 31 दिसंबर को आधी रात के बाद दर्शन शुरू हो गए और एक जनवरी के डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किए। गुजरात में सोमनाथ से लेकर द्वारका और बनासकांठा में अंबाजी मंदिर तक और उत्तर प्रदेश में काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर झारखंड के देवघर मंदिर तक भक्तों की कतार लगी रही। दिल्ली के कालकाजी और झंडेवालान मंदिर में भी भक्तों की भीड़ ने नए रिकॉर्ड बनाए।

मुखर नेता थे राजगोपालाचारी

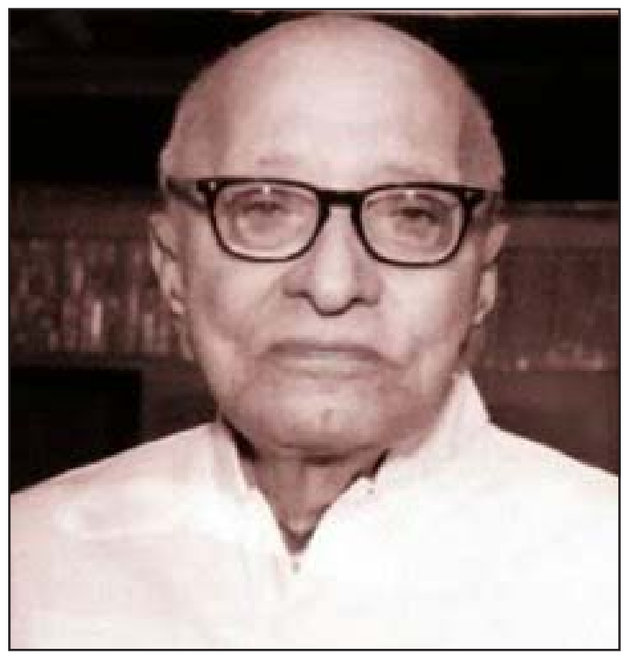

कांग्रेस के दिग्गज नेता राजगोपालाचारी, जिनको राजाजी के नाम से बुलाया जाता था, आजद भारत के पहले गवर्नर जनरल थे। वह तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में पैदा हुए थे। उनके पिता तमिलनाडु के सेलम के न्यायालय में न्यायाधीश थे। राजाजी स्वयं बड़े वकील थे लेकिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने जमी–जमाई वकालत छोड़ दी। देश की आजादी के आंदोलन में कूद गये। गांधी जी के छुआछूत विरोधी आंदोलन ने उनको प्रभावित किया था। बाद में वह पंडित जवाहर लाल नेहरू के भी बहुत अच्छे मित्र बन गये। महात्मा गांधी से तो उनकी रिश्तेदारी हो गयी थी राजाजी के सबसे छोटी बेटी लक्ष्मी की शादी महात्मा गांधी के छोटे बेटे देवदास से हुई थी। राज गोपालाचारी राष्ट्र हित से कभी समझौता नहीं करते थे। इसीलिए जब द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार को गांधी और नेहरू ने नैतिक समर्थन किया और पूर्ण स्वतंत्रता की शर्त भी नहीं रखी तो राजाजी ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर स्वतंत्र पार्टी बनायी। वह विद्वान और लेखन क्षमता के धनी थे। भारत सरकार ने 1954 में राजाजी को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया था। गीता और उपनिषदों पर सारगर्भित टीका करने वाले राजाजी 28 दिसम्बर 1972 को चेन्नई में स्वर्ग सिधार गये। यह भी एक संयोग था कि 1872 में 10 दिसम्बर को ही उनका जन्म हुआ था।

राजगोपालाचारी तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में पैदा हुए थे। वह बहुत बड़े वकील थे। उन्हें राजनीति में लाने का श्रेय गांधीजी को है। उन्हें भारतीय राजनीति में राजाजी के नाम से ज्यादा जाना जाता है। वो वकील, लेखक, राजनीतिक और दार्शनिक थे।उनके पिता तमिलनाडु के सेलम के न्यायालय में न्यायाधीश थे। राजाजी पढ़ने में जीनियस थे। लगातार प्रथम श्रेणी पास होते थे। गांधी के असहयोग आंदोलन का उन पर इतना असर हुआ कि उन्होंने अपनी जमी–जमाई वकालत छोड़ दी और खादी पहनने लगे। वह देश के आजाद होने के बाद पहले गवर्नर जनरल बने। वह महात्मा गांधी के समधी थे। नेहरू जी उनको देश का पहला राष्ट्रपति बनवाना चाहते थे लेकिन ऐसा हो नहीं सका। एक जमाने में वह नेहरू के अच्छे दोस्त थे। बाद में नेहरू और कांग्रेस को लेकर उनके ऐसे मतभेद हुए कि उन्होंने नई पार्टी बनाकर कांग्रेस के खिलाफ ही ताल ठोंक दी। गांधी के छुआछूत आंदोलन और हिंदू–मुस्लिम एकता के कार्यक्रमों ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया।

1937 में हुए चुनावों के बाद राजाजी मद्रास के प्रधानमंत्री (तब मुख्यमंत्री के समकक्ष पद) बने और 1939 में जब वायसराय ने एकतरफा निर्णय लेकर भारत को द्वितीय विश्वयुद्ध में धकेल दिया तो उन्होंने विरोध स्वरूप इस्तीफा दे दिया। गांधीजी के वो बहुत करीब थे। अक्सर उन्हें जब गंभीर मामलों पर कोई सलाह लेनी होती थी तो अक्सर राजाजी ही याद आते थे। दोनों की अंतरंगता इतनी बढ़ी कि राजाजी ने अपनी बेटी को गांधीजी के आश्रम में रहने के लिए भेजा। राजाजी की बेटी लक्ष्मी जब वर्धा के आश्रम में रह रही थीं तभी उनके और गांधीजी के छोटे बेटे देवदास के बीच प्यार हो गया। देवदास तब 28 साल के थे और लक्ष्मी 15 की। तब ना तो गांधीजी इस शादी के पक्ष में थे और ना ही राजाजी। उन्होंने देवदास के साथ एक बहुत कठिन शर्त रखी कि वो 05 साल तक लक्ष्मी से अलग रहें। अगर तब भी दोनों का एक दूसरे के प्रति प्यार कायम रहेगा तो शादी कर दी जाएगी। ऐसा ही हुआ। फिर दोनों की शादी हो गई। इस तरह राजाजी और गांधीजी आपस में समधी बन गए।

वह गांधीजी के कितने करीब थे, इसका पता इस बात से चलता है कि जब भी गांधीजी जेल में होते थे, उनके द्वारा संपादित पत्र 'यंग इंडिया' का सम्पादन चक्रवर्ती ही करते थे। जब कभी गांधी जी से पूछा जाता था, 'जब आप जेल में होते हैं, तब बाहर आपका उत्तराधिकारी किसे समझा जाए?' तब गांधी जी सहज भाव से कहते, 'राजा जी, और कौन? हालांकि दूसरे विश्व युद्ध के शुरू के दौरान उनकी कांग्रेस से ठन गई। वो गांधीजी के विरोध में खड़े थे। गांधीजी का विचार था कि ब्रिटिश सरकार को इस युद्ध में केवल नैतिक समर्थन दिया जाए, वहीं राजा जी का कहना था कि भारत को पूर्ण स्वतंत्रता देने की शर्त पर ब्रिटिश सरकार को हर प्रकार का सहयोग दिया जाए। मतभेद इतने बढ़े कि राजा जी ने कांग्रेस की कार्यकारिणी की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया।हालांकि फिर कांग्रेस में लौटे।

वो पहले शख्स थे, जिन्होंने 1942 में इलाहाबाद कांग्रेस अधिवेशन में देश के विभाजन पर सहमति जता दी थी। उस समय उनका बहुत विरोध हुआ लेकिन उन्होंने इसकी कोई परवाह नहीं की। हालांकि 1947 में वही हुआ, जो वो पांच साल पहले कह चुके थे। ये तमाम वो वजहें थीं कि कांग्रेस के नेता उनकी दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता का लोहा मानते थे। 1946 में देश की अंतरिम सरकार बनी। उन्हें केन्द्र सरकार में उद्योग मंत्री बनाया गया। 1947 में देश के आजाद होने पर वो बंगाल के राज्यपाल बने। अगले ही साल स्वतंत्र भारत के प्रहले 'गवर्नर जनरल'। जब नेहरू उन्हें देश का पहला राष्ट्रपति नहीं बना सके तो उन्हें 1950 में फिर केन्द्रीय मंत्रिमंडल में लिया गया। 1952 के आम चुनावों में वह लोकसभा सदस्य बने और मद्रास के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए। लेकिन कुछ साल बाद ही नेहरू और कांग्रेस से नाखुश होकर मुख्यमंत्री पद और कांग्रेस दोनों छोड़ दी। राजाजी को कांग्रेस और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के वामपंथी समाजवाद की तरफ झुकाव को लेकर एतराज था। वो मानते थे कि इससे कांग्रेस को इसका नुकसान होगा। इसी मतभेद के चलते उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर नई राष्ट्रवादी पार्टी का गठन करने का विचार किया। इस प्रकार 4 जून 1959 को स्वतंत्र पार्टी गठित हुई।

राजाजी ने अलग पार्टी बनाने की घोषणा की। इस पार्टी का नाम था स्वतंत्र पार्टी। 61 साल पहले बनी इस पार्टी ने मजबूत विपक्ष की भी भूमिका निभाई। उन्होंने एनजी रंगा और मीनू मसानी जैसे दिग्गजों के साथ इस पार्टी की स्थापना की। हालांकि ये जिस रफ्तार से उभरी थी, उसके बाद केवल 15 सालों में उसी तेज झटके के साथ खत्म भी हो गई। स्वतंत्र पार्टी में राजगोपालाचारी समेत वो नेता शामिल थे, जिनका जनसामान्य के बीच आधार और प्रभाव था। इस पार्टी के कई नेता प्रधानमंत्री पद तक के चेहरे के तौर पर देखे गए थे। बिहार, उड़ीसा के राजघरानों द्वारा बनाई गई पार्टियां स्वतंत्र पार्टी में शामिल हुईं और 1967 में इन राज्यों में स्वतंत्र पार्टी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर मुख्य विपक्ष में आई। इसके बाद राजस्थान के राजघराने इस पार्टी से जुड़े। महारानी गायत्री देवी का शामिल होना बड़ी घटना थी। इस पार्टी में गुजरात में भाईलालभाई पटेल जैसे नेता जमीन तैयार कर रहे थे तो तमिलनाडु में कामराज और गणेशन की क्षेत्रीय पार्टियां स्वतंत्र पार्टी में विलय हो रही थीं। वहीं, आंध्र में एनजी रंगा का करिश्माई नेतृत्व स्वतंत्र पार्टी को मजबूत कर रहा था। स्वतंत्र पार्टी आजादी के 20 साल बाद भी गरीबी, अशिक्षा जैसी समस्याओं को मुद्दा बना रही थी और किसानों, छोटे कामगारों और निम्न व मध्यम वर्ग की आवाज बनने की कोशिश कर रही थी। इसका नतीजा हुआ कि 1959 में पार्टी के गठन के बाद पहला चुनाव 1962 का था और इस चुनाव में स्वतंत्र पार्टी ने 18 लोकसभा सीटें जीतीं। इसके बाद 1967 के चुनाव में स्वतंत्र पार्टी और कामयाब हुई क्योंकि 44 लोकसभा सीटें जीती। इस दौरान कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस पार्टी को माना जाने लगा था, लेकिन अगले चुनाव में पार्टी अपना अस्तित्व भी नहीं बचा पाई।1971 के चुनाव में स्वतंत्र पार्टी को सिर्फ 8 सीटें हाथ लगीं तो सबका दिल टूट गया। मसानी ने इस्तीफा दे दिया और राजाजी व स्वतंत्र पार्टी की कई कोशिशों के बाद भी वह वापस नहीं आए बल्कि कुछ ही समय में उन्होंने सक्रिय राजनीति से भी संन्यास ले लिया। 25 दिसंबर 1972 को राजाजी के निधन के साथ ही स्वतंत्र पार्टी का भी खात्मा हो गया था। (हिफी)

केजीएमयू की साख का सवाल

लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) एक बार फिर गंभीर विवाद के केंद्र में है। जबरन धर्मांतरण और दो महिला मेडिकल छात्रों के यौन शोषण के आरोपों में फरार चल रहे जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन उर्फ रमीज मलिक को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी न केवल एक आपराधिक मामले का अहम मोड़ है, बल्कि इसने विश्वविद्यालय प्रशासन, जांच प्रक्रियाओं और राजनीतिक हस्तक्षेप पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, रमीजुद्दीन पिछले कई हफ्तों से फरार था और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। डीसीपी (पश्चिम) विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी अपने किराए के मकान पर सामान लेने आया था और कोर्ट में सरेंडर करने की योजना बना रहा था, तभी उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी पर 23 दिसंबर 2025 को पहली शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें एक मेडिकल छात्रा ने शारीरिक शोषण और शादी के नाम पर जबरन धर्मांतरण का आरोप लगाया था। जांच के दौरान दूसरी छात्रा ने भी इसी तरह के आरोप लगाए, जिसमें शोषण, जबरन गर्भपात और धर्म परिवर्तन की बात सामने आई। इस मामले में आरोपी के माता–पिता की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई, जिसके चलते उन्हें भी गिरफ्तार किया गया।

इस बीच, केजीएमयू की आंतरिक विशाखा समिति ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे कड़ी सिफारिश की। समिति ने उसकी एमडी (पैथोलॉजी) की दाखिले को रद्द करने और सेवाएं समाप्त करने का प्रस्ताव चिकित्सा शिक्षा निदेशालय को भेज दिया। विश्वविद्यालय के अनुसार, सभी साक्ष्यों और पक्षों के बयान के आधार पर निष्पक्ष जांच की गई।हालांकि, मामला यहीं शांत नहीं हुआ। केजीएमयू परिसर में 9 जनवरी को भारी हंगामा देखने को मिला, जब कुछ लोग जबरन कुलपति कार्यालय में घुसने की कोशिश करते हुए विरोध प्रदर्शन करने लगे। नारेबाजी, तोड़फोड़ और अफरा–तफरी के बीच उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव भी परिसर पहुंचीं। उन्होंने विश्वविद्यालय पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केजीएमयू में "धर्मांतरण जैसी गतिविधियां" हो रही हैं और महिला डॉक्टरों को आयोग तक पहुंचने से रोका जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पीड़िता को शुरुआत में कोई समर्थन नहीं मिला और कार्रवाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के बाद ही तेज हुई।वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपर्णा यादव के आरोपों को सिरे से खारिज किया। केजीएमयू के बयान के अनुसार, उपाध्यक्ष बिना पूर्व सूचना लगभग 200 लोगों के साथ परिसर में पहुंचीं, जिससे हालात बिगड़ गए। प्रशासन का दावा है कि भीड़ ने कुलपति कार्यालय में तोड़फोड़ की, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और विश्वविद्यालय की नियमित गतिविधियां– जैसे एमबीबीएस परीक्षाएं और प्रोमोशन इंटरव्यू–बाधित हुईं। इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है और सीसीटीवी फुटेज सौंपे गए हैं। यह पूरा घटनाक्रम केवल एक आपराधिक मामला नहीं रह गया है।

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका कल्पना नहीं हकीकत है समुद्र और जमीन की गहराइयों में उतर कर सबूत सामने लायेगी ASI

देखा जाये तो सदियों तक द्वारका को मिथक कहकर खारिज किया गया, उसे आस्था का विषय कहकर इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया। लेकिन अब वैज्ञानिक साक्ष्य सामने आने लगे हैं। साथ ही धार्मिक दृष्टि से द्वारका का महत्व असाधारण है।

भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास में द्वारका का नाम केवल एक नगर भर नहीं है, बल्कि यह आस्था, विश्वास और सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। अब वही द्वारका एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। हम आपको बता दें कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने प्राचीन द्वारका की खोज को नए सिरे से, अधिक गहराई और गंभीरता के साथ आगे बढाने का निर्णय लिया है। इस बार यह अभियान केवल सतही अध्ययन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जमीन और समुद्र दोनों में गहन खुदाई के जरिये इतिहास की दबी हुई परतों को उजागर करने का प्रयास होगा।यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैहम आपको बता दें कि अब तक हुए सीमित अध्ययनों में समुद्र के भीतर पत्थर की संरचनाएं, दीवारनुमा अवशेष और मानव बसावट के संकेत मिल चुके हैं। लेकिन इन संकेतों को निर्णायक प्रमाण में बदलने के लिए ASI अब आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरण और विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम के साथ आगे बढ़ रहा है। इस नए अभियान का केंद्र गोमती नदी का मुहाना, समुद्री किनारे के वे हिस्से जहां अब तक खुदाई नहीं हुई, और बेट द्वारका जैसे क्षेत्र होंगे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ASI के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह खुदाई केवल धार्मिक मान्यताओं की पुष्टि का प्रयास नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह समझना है कि प्राचीन द्वारका में जीवन कैसा था, वहां का शहरी ढांचा कैसा रहा होगा, व्यापार और संस्कृति किस स्तर पर थी और किस ऐतिहासिक प्रक्रिया के तहत यह नगर समुद्र में विलीन हुआ। यह अभियान भारत के समुद्री इतिहास, तटीय सभ्यता और प्राचीन नगर नियोजन की समझ को भी नया आयाम देगा।देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारका की समुद्री विरासत पर पहले ही सार्वजनिक रूप से ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि साल 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अरब सागर की उथली लहरों के भीतर गहराई तक उतरकर प्राचीन द्वारका नगरी के अवशेषों के पास हाथ जोड़े थे तब पूरा भारत मंत्रमुग्ध हो उठा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्र के भीतर स्थित उस स्थल पर स्कूबा डाइविंग करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की नगरी को अपनी आंखों से देखा था, उसे प्रणाम किया था और इसे "दिव्य अनुभव" बताया था। उस दृश्य ने हजारों वर्षों से मौन इतिहास को एक जीवंत रूप में सामने ला दिया था। अब ASI की यह नई पहल इस विषय को ठोस ऐतिहासिक विमर्श में बदलने जा रही है।देखा जाये तो सदियों तक द्वारका को मिथक कहकर खारिज किया गया, उसे आस्था का विषय कहकर इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया। लेकिन अब वैज्ञानिक साक्ष्य सामने आने लगे हैं। साथ ही धार्मिक दृष्टि से द्वारका का महत्व असाधारण है। यह वह भूमि है जिसे भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि माना जाता है। पुराणों और महाभारत में वर्णित द्वारका कोई साधारण नगर नहीं थी, बल्कि एक समृद्ध, सुव्यवस्थित और शक्तिशाली नगरी थी। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण ने मथुरा त्याग कर समुद्र तट पर इस नगर की स्थापना की थी ताकि अपने लोगों को निरंतर आक्रमणों से बचा सकें। यह निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी क्रांतिकारी था।द्वारका सप्तपुरी में गिनी जाती है और चारधाम परंपरा में इसका स्थान सर्वोच्च है। यहां स्थित द्वारकाधीश मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीवंतता का अनुपम उदाहरण है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं, केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि उस इतिहास से जुडने के लिए जो पीढ़ियों से उनकी चेतना में प्रवाहित होता रहा है।आज जब ASI समुद्र की गहराइयों में उतरने की तैयारी कर रहा है, तो वह केवल पत्थर और दीवारें खोजने नहीं जा रहा। वह उस स्मृति को खोजने जा रहा है जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। यह खोज उन प्रश्नों को चुनौती देती है जो कहते रहे कि भारत का प्राचीन इतिहास कल्पना पर आधारित है। द्वारका की खुदाई यह साबित करने की दिशा में कदम है कि हमारी परंपराएं, हमारे ग्रंथ और हमारी आस्थाएं किसी शून्य से नहीं उपजीं, बल्कि ठोस सामाजिक और भौगोलिक यथार्थ पर आधारित थीं।यहां एक तीखा प्रश्न भी खड़ा होता है। यदि किसी अन्य सभ्यता से जुड़ा नगर समुद्र में डूबा मिलता, तो क्या उसे वैश्विक इतिहास की महान खोज नहीं कहा जाता। फिर द्वारका के साथ संकोच क्यों? क्या इसलिए कि यह भारत की धार्मिक चेतना से जुड़ी है। ASI की यह पहल उस मानसिकता पर भी प्रहार है जो भारतीय इतिहास को हमेशा संदेह की दृष्टि से देखती रही।देखा जाये तो धार्मिक महत्व के साथ–साथ द्वारका सांस्कृतिक स्वाभिमान का विषय भी है। यह हमें याद दिलाती है कि भारत केवल आक्रमणों और पराजयों की कहानी नहीं है, बल्कि नगर निर्माण, समुद्री व्यापार और सभ्य जीवन की भी गौरवशाली परंपरा रहा है। द्वारका की खोज उस आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करती है जो हमें अपने अतीत से कटने नहीं देता।बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि द्वारका की खुदाई केवल अतीत को जानने का प्रयास नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का साहसिक कदम है। यह धर्म और विज्ञान के टकराव की नहीं, बल्कि उनके संवाद की कहानी है। यदि यह खोज अपने लक्ष्य तक पहुंचती है, तो यह केवल इतिहास की किताबों में एक नया अध्याय नहीं जोड़ेगी, बल्कि भारत की आत्मा को वह सम्मान लौटाएगी जिसकी वह सदियों से प्रतीक्षा कर रही है।

अखिलेश यादव का कार्यकर्ताओं को संदेश, बूथ स्तर पर मजबूती और मतदाता सूची पर सतर्कता जरूरी

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए।अखिलेश यादव ने कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता बूथ स्तर पर पूरी मजबूती से काम करें। एसआईआर का दूसरा चरण चल रहा है, नए वोट बनाए जा रहे हैं, ऐसे में यह आवश्यक है कि छूटे हुए पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मतदाता सूची पर पूरी नजर रखें और किसी भी तरह की चूक न होने दें। हर पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल कराना पार्टी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता घर–घर जाकर नए मतदाताओं से फार्म–6 भरवाएं, ताकि कोई भी मतदाता अधिकार से वंचित न रहे।अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बेईमानी और लूट भाजपा की फितरत बन चुकी है और वह जनता को गुमराह करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रदेश में कानून–व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्थाएं बर्बाद हो चुकी हैं। महिला अपराध और साइबर क्राइम के मामलों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। किसान खाद और बीज के लिए परेशान हैं, जबकि नौजवानों के सामने नौकरी और रोजगार का संकट खड़ा है। भाजपा शासन में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर पहुंच चुकी है।उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब भाजपा की सच्चाई को समझ चुकी है और समाजवादी पार्टी पर भरोसा जता रही है।

बीबीएयू में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी चेतना का सशक्तसंदेश

लखनऊ(संवाददाता) स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु युवा शक्ति और स्वदेशी भावनारू स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन' रखा गया, जिसमें युवाओं की भूमिका, स्वदेशी सोच और राष्ट्रनिर्माण पर व्यापक विमर्श हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पौधा, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने स्वागत संबोधन में राष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है और भारतीय संस्कृति ने विश्व को हर क्षेत्र में दिशा दी है। उन्होंने कहा कि अनेक आक्रमणों के बावजूद भारतीय संस्कृति और लोकतंत्र की जड़ें मजबूत बनी रहीं, यही कारण है कि आज विश्व भारत को सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक दृष्टि से एक केंद्रबिंदु के रूप में देखता है। स्वामी विवेकानंद जैसे महान विचारकों ने न केवल भारत को बल्कि पूरे विश्व को मार्गदर्शन दिया। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना भारत की पहचान है और आज देश कृषि से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने युवाओं से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से इनका लाभ उठाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को स्वामी विवेकानंद के भारत–स्वप्न से जोड़ते हुए कहा कि इसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करना होगा। उन्होंने आत्मचिंतन, अनुशासन और भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को अपनाने पर बल दिया। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' के विचार का उल्लेख करते हुए उन्होंने समाज के वंचित वर्गों से जुड़कर समग्र विकास की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता बताई और कहा कि शिक्षण संस्थान विचारों के केंद्र होते हैं, जहां से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता कश्मीरी लाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद इस सदी के महानतम व्यक्तित्वों में से एक थे, जिन्होंने युवाशक्ति को जागृत किया। उन्होंने अध्ययन और सतत सीखने की प्रक्रिया को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि भारतीय युवाओं की प्रतिभा आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक, आईआईटी और वैज्ञानिक संस्थानों के योगदान का उल्लेख करते हुए कोविड काल में भारत द्वारा वैश्विक सहयोग को उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत किया और युवाओं से श्रेष्ठ विचारों को अपनाने का आह्वान किया।

रोहतास अपार्टमेंट में आग से अफरा-तफरी, छत से कूदने पर महिला की मौत

लखनऊ(संवाददाता) के अयोध्या रोड स्थित नीलगिरी चौराहा क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। रोहतास अपार्टमेंट, रविन्द्रपल्ली में फ्लैट संख्या 73 और 74 में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना सुबह करीब 07रू09 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद गाजीपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक, भ्।स् चौकी प्रभारी तथा रात्रि अधिकारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे।मौके पर जांच में सामने आया कि दोनों फ्लैटों के स्वामी हसीन अहमद हैं। आग फ्लैट संख्या 74 में लगी, जहां सैय्यद मोहम्मद अम्मार रिजवी अपने परिवार के साथ निवासरत थे। आग लगने के दौरान घबराहट में उनकी पत्नी निदा रिजवी, उम्र लगभग 45 वर्ष, आग के भय से छत से कूद गईं। इस दौरान उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस द्वारा तत्काल उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना में सैय्यद मोहम्मद अम्मार रिजवी, उम्र लगभग 50 वर्ष, भी झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं उनकी पुत्री जारा रिजवी, उम्र लगभग 20 वर्ष, को फायर ब्रिगेड की मदद से कमरे से सकुशल बाहर निकाल लिया गया।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। वर्तमान में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस द्वारा मृतका के शव का पंचायतनामा भरकर अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना के कारणों की जांच जारी है।

लखनऊ में आप का बड़ा आरोप
जल जीवन मिशन को बताया "पैसे की सप्लाई स्कीम"

लखनऊ(संवाददाता) स्थित आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने जल जीवन मिशन को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में चल रहा हजारों करोड़ रुपये का जल जीवन मिशन जनता को पानी देने की योजना नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के लिए "पैसे की सप्लाई स्कीम" बन चुका है। डबल इंजन सरकार के नाम पर किए गए विकास के वादों को उन्होंने पूरी तरह खोखला बताते हुए कहा कि नल कागजों में हैं, पानी फाइलों में है और जमीन पर सिर्फ भ्रष्टाचार का साम्राज्य खड़ा किया गया है।प्रेसवार्ता में वंशराज दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घर–घर जल पहुंचाने के दावे के तहत जल जीवन मिशन को जमीन पर उतरे 5 से 7 साल हो चुके हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में इसकी हकीकत बेहद चिंताजनक है। उन्होंने दावा किया कि यह घोटाला 2जी और कोयला घोटाले से भी बड़ा साबित हो रहा है। लगभग 57 हजार ग्राम सभाओं वाले प्रदेश में सरकार ने 40 से 45 हजार पानी की टंकियों के निर्माण का दावा किया, जबकि कई स्थानों पर टंकियां केवल कागजों में बनीं, पूरा भुगतान कर दिया गया और जमीन पर कुछ भी मौजूद नहीं है।आप के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि वर्ष 2021 में राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस घोटाले को संसद में उठाया था। उस समय विभागीय मंत्री महेंद्र सिंह थे और बुंदेलखंड क्षेत्र में बड़े पैमाने पर लूट उजागर हुई थी। इसके बावजूद भाजपा सरकार दोबारा सत्ता में आई, लेकिन हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ गए। सरकार विधानसभा में 90 प्रतिशत काम पूरा होने का दावा करती है, जबकि जमीनी सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है।उन्होंने अलग–अलग जिलों के उदाहरण देते हुए कहा कि 30 मई 2025 की सीतापुर रिपोर्ट में 5 करोड़ 31 लाख रुपये की पानी की टंकी ट्रायल के दौरान भरभरा कर गिर गई। चित्रकूट के कोपा गांव में जल जीवन मिशन के तहत प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया, जबकि वहां न नल है, न जल है, न टंकी और न ही चारदीवारी। सुल्तानपुर जिले की जयसिंहपुर विधानसभा के परस पट्टी ग्राम सभा में 3.45 करोड़ रुपये की टंकी का पूरा भुगतान हो चुका था, लेकिन टंकी जमीन पर थी ही नहीं। मामला सामने आने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और अगले दिन जेसीबी लगाकर खुदाई शुरू कराई गई। पास के भानपुर गांव में टंकी अधूरी पड़ी है, बोर्ड जर्जर है और कागजों में नौकरियां तक बांट दी गईं। आलापुर ग्राम सभा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां न टंकी है, न बोर्ड और हालात इतने बदतर हैं कि गांव वालों के साथ प्रतीकात्मक रूप से सरकार की "नौटंकी" का अंतिम संस्कार करते हुए 13वीं भोज किया गया।वंशराज दुबे ने कहा कि जल जीवन मिशन का नाम "मिशन जल" था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे "मिशन जेब भरो" में बदल दिया है। सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि देशभर से आई 17 हजार शिकायतों में से 14,264 शिकायतें अकेले उत्तर प्रदेश से हैं, यानी लगभग 86 प्रतिशत। इसके बावजूद सरकार 90 प्रतिशत काम पूरा होने का दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि इन शिकायतों में से सिर्फ 434 मामलों में ही कार्रवाई हुई, जो यह दिखाता है कि सौ में महज तीन मामलों पर ही कोई कदम उठाया गया। लखीमपुर में 3.30 करोड़ रुपये की टंकी का टेस्टिंग के दौरान फटना पूरे सिस्टम की पोल खोलता है।उन्होंने भाजपा मंत्रियों पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सदन में जब विपक्ष ने गांवों में सड़कों की बदहाली और अधूरी योजनाओं का सवाल उठाया, तो मंत्री द्वारा सवाल पूछने वाले विधायक से बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। वंशराज दुबे ने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा नेतृत्व अपने परिवार की कसम खाकर यह कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी, 28 मार्च 2026 को होगा अंतिम प्रकाशन

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए संशोधित समय सारिणी जारी कर दी है। आयोग के अनुसार अब 20 फरवरी 2026 तक पंचायतों से संबंधित निर्वाचक नामावलियों में प्राप्त सभी दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। इसके साथ ही हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार कर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराई जाएंगी तथा संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन और निस्तारण की कार्यवाही भी इसी अवधि में पूरी की जाएगी।राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के तहत 21 फरवरी से 16 मार्च 2026 तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के बाद पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण की तैयारी की जाएगी। इसी चरण में पूरक सूचियों को मूल निर्वाचक नामावली में यथास्थान समाहित करने और आवश्यकता के अनुसार मतदान केंद्रों तथा मतदान स्थलों के निर्धारण की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।आयोग ने बताया कि 17 मार्च से 27 मार्च 2026 तक पंचायतों की मतदाता सूचियों का कम्प्यूटरीकरण कराया जाएगा। इस दौरान मतदान केंद्रों और मतदान स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, एसवीएन आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग और फोटो प्रतियां तैयार करने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 28 मार्च 2026 को प्रदेश की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

लखनऊ नगर निगम की सख्ती, करोड़ों के गृहकर बकाए पर सरकारी संस्थान सील

लखनऊ(संवाददाता) में नगर निगम द्वारा बड़े बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर सोमवार को नगर निगम जोनदृ4 की टीम ने एक अहम कदम उठाते हुए सरकारी विभाग के विरुद्ध भी सीलिंग की कार्रवाई की। इस कार्रवाई से नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कर वसूली के मामले में किसी भी स्तर पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी।जोनदृ4 की यह कार्रवाई जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी के नेतृत्व में की गई, जिसमें नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्स (एनबीएफजीआर) परिसर को सील कर दिया गया। नगर निगम के अनुसार उक्त संस्थान पर लंबे समय से 1 करोड़ 36 लाख 65 हजार 932 रुपये का गृहकर बकाया था। बकाया वसूली को लेकर कई बार नोटिस और पत्राचार किए गए, लेकिन निर्धारित समयावधि में कर जमा न होने के कारण नगर निगम को यह कठोर कदम उठाना पड़ा।नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि राजस्व वसूली को लेकर अब किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चाहे बकाएदार निजी हो या सरकारी विभाग, नियमों के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और राजस्व वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।सीलिंग की इस कार्रवाई के दौरान कर अधीक्षक, कर निरीक्षक सहित नगर निगम के अन्य कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। नगर निगम प्रशासन ने आम नागरिकों, संस्थानों और विभागों से अपील की है कि वे समय से अपने करों का भुगतान करें, ताकि इस तरह की अनिवार्य और कड़ी कार्रवाई से बचा जा सके।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत हसनगंज में पिंक बूथ टीम का जागरूकता अभियान, महिलाओं और छात्राओं को साइबर सुरक्षा व हेल्पलाइन की जानकारी

लखनऊ(संवाददाता) में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 12 जनवरी 2026 को थाना हसनगंज की मिशन शक्ति एवं पिंक बूथ टीम ने क्षेत्र में भ्रमण कर महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया।थाना हसनगंज की पिंक बूथ टीम ने पिंक स्कूटी के माध्यम से क्षेत्र का भ्रमण किया और आमने–सामने संवाद के जरिए महिलाओं व छात्राओं को साइबर अपराध, ऑनलाइन फ्रॉड, बैंक धोखाधड़ी और फर्जी कॉल जैसे बढ़ते खतरों के प्रति सतर्क किया। पुलिस कर्मियों ने बताया कि डिजिटल लेन–देन और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों की आशंका भी बढ़ी है, ऐसे में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।अभियान के दौरान महिलाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई। इसमें 112 आपातकालीन सेवा, 1090 महिला पावर लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन और 181 महिला हेल्पलाइन के उपयोग और महत्व को सरल भाषा में समझाया गया। साथ ही महिला शक्ति केंद्रों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं बिना संकोच सहायता प्राप्त कर सकें।मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में महिला सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए जिले के 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों पर निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है, ताकि थाने पर आने वाली महिलाओं की शिकायतों और समस्याओं का त्वरित और संवेदनशील निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।थाना हसनगंज की टीम द्वारा चलाया गया यह जागरूकता अभियान महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति सजग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। संवाद के दौरान महिलाओं को न केवल अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, निडर और जागरूक बनने के लिए प्रेरित भी किया गया। पुलिस और समाज के बीच विश्वास और समन्वय को मजबूत करने की दृष्टि से यह अभियान प्रभावी साबित हुआ।पुलिस प्रशासन का मानना है कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण की नींव को मजबूत करते हैं। मिशन शक्ति 5.0 के तहत चलाए जा रहे ये प्रयास न केवल महिलाओं को सुरक्षित वातावरण का भरोसा देते हैं, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों और उपलब्ध संसाधनों के प्रति सजग बनाकर एक सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

एआई और स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन में उत्तर प्रदेश को एआई हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम, इंडियाएआई मिशन और यूपी डेस्को के बीच एमओयू

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के नेतृत्व में आयोजित एआई एवं स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन के अवसर पर प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन की स्वतंत्र व्यावसायिक इकाई इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में एआई इकोसिस्टम को सशक्त करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।इस क्रम में इंडियाएआई मिशन और उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपी डेस्को), लखनऊ के मध्य एक समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान किया गया। यह एमओयू आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव और इंडियाएआई मिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सिंह के बीच संपन्न हुआ। यह समझौता केंद्र और राज्य सरकार के बीच तकनीकी सहयोग को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।इस अवसर पर प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने कहा कि इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत की गई यह पहल प्रदेश के युवाओं को भविष्य के लिए आवश्यक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कौशल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास, नवाचार को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर लगातार कार्य कर रही है।यूपी डेस्को की प्रबंध निदेशक नेहा जैन ने बताया कि इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में परियोजना के क्रियान्वयन के लिए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को नोडल प्रशासकीय विभाग और यूपी डेस्को को राज्य की नोडल एजेंसी नामित किया गया है। यह व्यवस्था प्रदेश में एआई आधारित पहलों के प्रभावी, समन्वित और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई मिशन के तहत प्रदेश में कुल 65 डेटा एवं एआई लैब स्थापित किए जाने की योजना है। इनमें लखनऊ और गोरखपुर स्थित एनआईईएलआईटी केंद्रों में दो डेटा एवं एआई लैब पहले से संचालित हैं, जबकि पीलीभीत में एक डेटा एवं एआई लैब उद्योग साझेदारी के माध्यम से स्थापित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 49 डेटा एवं एआई लैब को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जिनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जबकि शेष 13 स्थानों की पहचान शीघ्र की जाएगी।इंडियाएआई डेटा एवं एआई लैब्स को विशेष रूप से एआई स्किलिंग के उद्देश्य से आधुनिक अवसंरचना और उन्नत तकनीकी संसाधनों से सुसज्जित किया जाएगा। इन लैब्स के माध्यम से विद्यार्थियों को एआई टूल्स, डेटा सेट्स और वास्तविक समय की समस्याओं पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल अर्जित कर सकें और नवाचारी एआई समाधान विकसित कर सकें।

प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस का चुनावी शंखनाद
आराधना मिश्रा मोना ने घोषित की अगले 100 दिनों की कार्ययोजना

लखनऊ(संवाददाता) में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में राजनीतिक हलचल देखने को मिली। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रेसवार्ता कर पार्टी की अगले 100 दिनों की विस्तृत कार्ययोजना की घोषणा की और इसे चुनावी वर्ष में कांग्रेस का औपचारिक शंखनाद बताया।प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, मीडिया विभाग के चेयरमैन और पूर्व मंत्री सीपी राय, पूर्व विधायक इंदल रावत, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता उमा शंकर पाण्डेय, अंशू अवस्थी, प्रियंका गुप्ता, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, ललन कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।प्रेस को संबोधित करते हुए आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि यह दिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए बेहद शुभ और प्रेरणादायी है, क्योंकि आज पार्टी की प्रमुख नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का जन्मदिन है। इसी पावन अवसर पर कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में अगले 100 दिनों की कार्ययोजना घोषित कर रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प है।उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समय कांग्रेस जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है, उसी समय भारतीय जनता पार्टी वोटों में हेरफेर की साजिशों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के कानूनी अस्तित्व को खत्म कर उसे केवल एक योजना में सीमित करने की कोशिश हो रही है और एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। कांग्रेस इन मंसूबों को सफल नहीं होने देगी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी।आराधना मिश्रा मोना ने बताया कि कांग्रेस अगले 100 दिनों में पूरे प्रदेश में संविधान संवाद महापंचायतों का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लंबे समय से संविधान को कमजोर करने की कोशिशों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं और उसी क्रम में उत्तर प्रदेश में 30 से अधिक संविधान संवाद महापंचायतों के जरिए योगी सरकार की विफलताओं को जनता के सामने लाया जाएगा। इसकी शुरुआत 24 जनवरी 2026 को सीतापुर से होगी, जिसके बाद लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, सहारनपुर, प्रतापगढ़ सहित पूरे प्रदेश में बड़े आयोजन किए जाएंगे।उन्होंने मनरेगा बचाओ संग्राम का ऐलान करते हुए कहा कि वर्ष 2006 में ग्रामीण भारत के लिए मनरेगा जैसा ऐतिहासिक कानून लागू किया गया था, जिसने करोड़ों ग्रामीणों को रोजगार की गारंटी दी। आर्थिक मंदी और कोविड महामारी जैसे कठिन दौर में यह योजना ग्रामीण भारत के लिए संजीवनी साबित हुई। कांग्रेस का संकल्प है कि मनरेगा के अधिकार को बचाने के लिए जनआंदोलन किया जाएगा और न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष होगा।एसआईआर को लेकर उन्होंने बताया कि पार्टी ने प्रदेशभर में सांसदों, पूर्व सांसदों, विधायकों और पूर्व विधायकों की मॉनिटरिंग कमेटी गठित कर दी है। इसके माध्यम से एक महीने के भीतर जायज मतदाताओं के कटे नाम जुड़वाए जाएंगे और नए मतदाताओं के फार्म भरवाकर उन्हें मतदाता सूची में शामिल कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर शुरू होने से पहले ही पार्टी 1600 बूथ स्तरीय कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति कर चुकी है।पंचायत चुनाव 2026 को लेकर आराधना मिश्रा मोना ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत पूरी तैयारी कर चुकी है और यह चुनाव पूरी ताकत के साथ अकेले लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सेवा और बलिदान की 140 वर्ष की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संगठन को गांव–गांव तक मजबूत करेगीउन्होंने बताया कि कांग्रेस के स्थापना के 140 वर्ष पूरे होने पर यह पूरा वर्ष सेवा और बलिदान के वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। 28 दिसंबर 2026 तक प्रदेश के सभी मंडल मुख्यालयों और प्रमुख शहरों में कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें कांग्रेस के ऐतिहासिक अधिवेशनों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी और विचार गोष्ठियां होंगी। आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, मेरठ, कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आजमगढ़, झांसी, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर सहित अनेक शहरों में कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।एमएलसी चुनाव 2026 को लेकर उन्होंने कहा कि नवंबर 2026 में होने वाले स्नातक और शिक्षक विधान परिषद की 11 सीटों पर कांग्रेस पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 80 हजार स्नातक और 32 हजार शिक्षक मतदाता बनाए जा चुके हैं। वाराणसी, मेरठ, लखनऊ और आगरा सहित कई सीटों पर कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति की जा चुकी है।आराधना मिश्रा मोना ने यह भी घोषणा की कि संविधान संवाद महापंचायतों के समापन के बाद राजधानी लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में एक विशाल महारैली आयोजित की जाएगी, जो कांग्रेस की ताकत और जनसमर्थन का प्रदर्शन होगी।

गोरखपुर महोत्सव2026 में इतिहास और 'वंदे मातर' पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन

लखनऊ। गोरखपुर महोत्सव2026 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, संस्कृति विभाग द्वारा 11 जनवरी से 13 जनवरी 2026 तक गोरखपुर के इतिहास एवं 'वंदे मातरम' पर आधारित एक विशेष अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी चंपा देवी पार्क, रामगढ़ ताल, गोरखपुर में लगाई गई है, जिसमें अनेक दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अभिलेख आमजन के दर्शनार्थ प्रस्तुत किए गए हैं।प्रदर्शनी में गुरु गोरखनाथ से संबंधित प्राचीन पांडुलिपियां, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा 'म्यूटिनी नैरेटिव' (गोरखपुर), शहीद बंधू सिंह का चित्रात्मक विवरण, जनपद गोरखपुर परिक्षेत्र के क्रांतिकारियों की सूची, चौरी–चौरा कांड से संबंधित अभिलेख तथा काकोरी कांड के क्रांतिकारियों का विवरण एवं उनकी गिरफ्तारी की तिथियां प्रदर्शित की गई हैं।इसके अतिरिक्त गोरखपुर जेल से जुड़े अभिलेख भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं, जहां पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा दी गई थी। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान देवरिया कचहरी पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले क्रांतिकारी रामचंद्र और सोना विद्यार्थी से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी प्रदर्शनी में सम्मिलित हैं।

प्रदर्शनी में गोरखपुर के ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों से जुड़े अभिलेखों के साथ–साथ 'वंदे मातरम' के इतिहास पर आधारित दुर्लभ दस्तावेज भी प्रदर्शित किए गए हैं। यह आयोजन न केवल गोरखपुर के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराता है, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रभक्ति की भावना को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है।

सड़क सुरक्षा माह

नो हेलमेट नो फ्यूल के तहत 45 के चालान

लखीमपुर खीरी। सड़क सुरक्षा माह के ग्यारहवें दिन सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा को ध्यान रखते हुए परिवहन विभाग लखीमपुर खीरी द्वारा शासन के आदेश के अनुपालन मे ष्नो हेलमेट नो फ्यूलष अभियान चलाते हुए 45 वाहनों के चालान काटे गए है।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश भर में दिनांक 01 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की जनता को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत करते हुए दुर्घटनाओं में कमी एवं मृत्युदर को निम्नस्तर पर लाना है जिस हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कड़ा रुख अपनाते हुए यह निर्देश निर्गत किए गए है कि कोई भी पेट्रोल पंप संचालक बिना हेलमेट के पेट्रोल आदि का वितरण नहीं करेगा। उक्त आदेश के अनुपालन में जिलाधिकारी श्रीमती दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा पूर्व में ही आदेश निर्गत किए जा चुके है। उक्त आदेश के अनुपालन में ही पीटीओ डॉ कौशलेंद्र द्वारा अभियान चलाकर जनपद के अलग अलग पेट्रोल पंपों का निरीक्षण कर बिना हेलमेट पेट्रोल खरीद रहे लोगों को जागरूक करते हुए उनके चालान काटे गए तथा पेट्रोल पंप संचालकों को भी निर्देशित किया गया कि बिना हेलमेट पेट्रोल की बिक्री न करे।

शिशु वाटिका में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई स्वामी विवेकानंद जयंती

लखीमपुर खीरी।विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु वाटिका लखीमपुर खीरी में आज राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य के अवसर पर वन्दना सभा में विद्यालय की संचालिका श्रीमती हीरा सिंह ने स्वामी विवेकानंद जी पर माल्यार्पण कर अपने विचार रखते हुए बताया कि विश्व में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने वाले महान आध्यात्मिक गुरु, समाज सुधारक और युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी की को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआतरूबचपन से ही ईश्वर को जानने की ललक ने उन्हें श्रीरामकृष्ण परमहंस के पास पहुँचाया, जिन्होंने उनके आध्यात्मिक मार्ग को प्रशस्त किया और उन्हें शविवेकानंदश नाम दिया।कार्यक्रम की संयोजिका बहन ऋचा बाजपेई जी ने जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

स्वामी विवेकानंद जयंती हर साल 12 जनवरी को मनाई जाती है, जो एक महान भारतीय दार्शनिक, लेखक और वक्ता थे। उनका जन्म 12 जनवरी, 1863 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। उन्होंने विश्व को भारतीय संस्कृति और वेदांत दर्शन से परिचित कराया और युवाओं को आत्म–विश्वास और सेवा भाव से प्रेरित किया स्वामी विवेकानंद के विचार और शिक्षाएं आत्म–विश्वास उन्होंने युवाओं को अपने भीतर की शक्ति को पहचानने और आत्म–विश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सेवा को पूजा माना और लोगों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने वेदांत दर्शन को विश्वभर में प्रसारित किया और इसके महत्व को समझाया। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल दिया और युवाओं को शिक्षित करने के लिए प्रेरित किया।स्वामी विवेकानंद जयंती हमें उनके आदर्शों और शिक्षाओं को याद करने और अपने जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित करती है। यह दिन युवाओं को आत्म–विश्वास, सेवा भाव और शिक्षा के महत्व को समझने के लिए प्रेरित करता है । विद्यालय की शिक्षिका बहन सु श्री अंशिका जी ने तर्क और साहस का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बार नरेंद्र नाथ अपने दोस्तों के साथ एक चंपा के पेड़ पर खेल रहे थे, तभी एक बुजुर्ग ने उन्हें भूत का डर दिखाकर वहाँ से हटा दिया, जो रात में गर्दन मरोड़ देता है। नरेंद्र ने दोस्तों से कहा कि यह डर अच्छी बात नहीं, और वे अकेले ही पेड़ पर चढ़ने लगे। जब दोस्तों ने भूत का डर दिखाया, तो नरेंद्र हँसकर बोले, ष्अगर सचमुच भूत होता, तो अब तक मेरी गर्दन मरोड़ चुका होता।ष इससे पता चलता है कि वे अंधविश्वास से दूर, तर्क और साहस पर विश्वास करते थे। समस्त शिक्षिकाएं बहने उपस्थित रही।

एनएचएआई की सड़क परियोजनाओं की मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा, समयबद्ध और पर्यावरण-संतुलित विकास पर जोर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उत्तर प्रदेश में संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने एनएचएआई के स्थानीय अधिकारियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर, सतत और प्रभावी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क परियोजनाएं प्रदेश के आर्थिक विकास, औद्योगिक विस्तार और आमजन की सुविधा से सीधे जुड़ी हुई हैं। इसलिए सभी परियोजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि सुदृढ़ कनेक्टिविटी के माध्यम से प्रदेश के विकास को नई गति मिल सके।उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रदेश की अनिवार्य आवश्यकता है, लेकिन यह पर्यावरण की कीमत पर नहीं होना चाहिए। इस वर्ष प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार की नीति है कि किसी भी परियोजना में केवल अपरिहार्य स्थिति में ही वृक्षों की कटान की जाए और जितने वृक्ष काटे जाएं, उससे अधिक संख्या में पौधरोपण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद के जिलाधिकारी एनएचएआई परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा करें। जहां भी किसी स्तर पर कोई विषय लंबित हो, उसे मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मुख्य सचिव स्वयं इन परियोजनाओं की पाक्षिक समीक्षा करें, जिससे अनावश्यक विलंब से बचा जा सके और निर्णय शीघ्रता से लिए जा सकें।भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सीधे किसानों से संवाद स्थापित किया जाए। किसी भी स्थिति में बिचौलियों को हस्तक्षेप का अवसर न मिले, ताकि किसानों के हित सुरक्षित रहें और परियोजनाएं पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ें।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने लखनऊ विश्वविद्यालय में 'भारत बौद्धिक्स' के अंतर्गत 21 पुस्तकों का किया विमोचन

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में कला, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। यह पुस्तकें विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की महत्त्वाकांक्षी 'भारत बौद्धिक्स' योजना के अंतर्गत प्रकाशित की गई हैं, जिनका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है।अपने संबोधन में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा और नैतिक मूल्य परस्पर पूरक हैं तथा केवल डिग्री आधारित शिक्षा समाज को सही दिशा नहीं दे सकती। भारतीय शिक्षा परंपरा सदैव चरित्र निर्माण, कर्तव्यबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित रही है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीतिदृ2020 को भारत के सांस्कृतिक और बौद्धिक पुनर्जागरण का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय भाषाओं और कौशल आधारित शिक्षा को केंद्र में रखती है।मंत्री उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व पर्यावरणीय संकट, मानसिक तनाव और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनका समाधान भारतीय दर्शन और ज्ञान परंपरा में निहित है। योग, आयुर्वेद और भारतीय जीवन मूल्यों को आज वैश्विक स्तर पर अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को अब ज्ञान का उपभोक्ता नहीं, बल्कि ज्ञान का मार्गदर्शक बनना होगा और 'भारत बौद्धिक्स' जैसी पहलें युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हुए उन्हें वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करेंगी।कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि 'भारत बौद्धिक्स' के अंतर्गत प्रकाशित ये पुस्तकें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में भारतीय ज्ञान प्रणाली की गुणवत्ता को सुदृढ़ करेंगी तथा विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक, बौद्धिक और नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीतिदृ2020 के उद्देश्यों के अनुरूप एक सार्थक पहल बताया।भारत बौद्धिक्स परियोजना की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रो. जय शंकर पांडेय ने कहा कि यह पहल भारतीय ज्ञान, दर्शन और परंपराओं को आधुनिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ विद्यार्थियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि भारत बौद्धिक्स परीक्षा स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों के लिए 31 जनवरी और 1 फरवरी को ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी, जिसमें 100 अंकों में से 80 अंक बहुविकल्पीय तथा 20 अंक वर्णनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित होंगे।उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,00,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 25,000 रुपये तथा चतुर्थ पुरस्कार 2,500 रुपये के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदित्य मोहंती ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, उपकुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण सृष्टि की जानकारी केवल परमात्मा को - महात्मा दुर्गेश आनंद जी

खजुरिया घाट/लखीमपुर। संपूर्ण सृष्टि परमपिता परमेश्वर द्वारा रची गई है इसलिए संपूर्ण सृष्टि की रहस्यात्मक जानकारी भी परमात्मा को ही है बिना उनसे मिले कोई भी व्यक्ति सृष्टि के विषय में कोई जानकारी प्राप्त नहीं कर सकता। स्वामी सदानंद जी परमहंस के खजुरिया घाट आश्रम पर महात्मा दुर्गेश आनंद जी ने साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम के दौरान उक्त उद्गार व्यक्त किए। सत्संग करते हुए उन्होंने आगे कहा की इस सृष्टि रचना के अंतर्गत ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमात्मा परमेश्वर द्वारा उत्पन्न न किया गया हो और उनके ही द्वारा संचालित व नियंत्रित न हो साथ ही ऐसा कुछ भी कोई भी नहीं है जो उनके रचना से बाहर का हो। इसलिए ऐसा कोई भी नहीं है जो अपने रचनाकार द्वारा संचालित किसी भी विषय वस्तु या सत्ता शक्ति का रहस्य बिना रचनाकार अर्थात परमात्मा परमेश्वर या श्री भगवान जी से मिले बिना ही जान ले, हां बिना मिले केवल उस सत्ता शक्ति को या वस्तु को देखा जा सकता है लेकिन लगातार संचालित हो रहे उस वस्तु या सत्ता शक्ति के उस संचालन रहस्य की जानकारी प्राप्त करने के लिए सृष्टि के रचनाकार संचालक से मिलना आवश्यक होता है। रहस्यात्मक जानकारी के लिए श्री भगवान परमात्मा परमेश्वर को ही समर्पित शरणागत होकर उन्हें हर प्रकार से प्रसन्न कर प्राप्त की जा सकती है परंतु परमपिता परमेश्वर ब्रह्मांड से परे परमधाम के वासी है ऐसे में उनसे मिलना और उनको समर्पित शरणागत होना तभी संभव है जब वह स्वयं इस धरा धाम पर उपस्थित हों अर्थात अवतार लेकर लीला कार्य कर रहे हों।

स्वामी विवेकानंद का चिन्तन आज भी युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक-प्रो. हेमंत पाल

लखीमपुर–खीरी, 12 जनवरी युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखीमपुर में आज स्वामी विवेकानंद जयंती ध् राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11रू30 बजे हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत बीज वक्तव्य के साथ हुई, जिसे डॉ. सौरभ वर्मा ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात श्ए वित ।ससष विषय पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अजय वर्मा एवं धर्म नारायण ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (।तजपपिबपंस प्दजमससपहमदबम) की वर्तमान उपयोगिता, भविष्य की संभावनाओं तथा युवाओं के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत स्वामी विवेकानंद जी के जीवन–दर्शन पर डॉ. सुभाष चंद्रा ने संक्षिप्त किंतु प्रेरक वक्तव्य दिया, जिसमें उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम के विशेष सत्र में वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षक सतेन्द्र पाल सिंह ने रेड रिबन क्लब की ओर से विद्यार्थियों को भ्प्टध्।प्क्ै विषय पर जागरूक किया। उन्होंने इस रोग से संबंधित भ्रांतियों, संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों तथा सामाजिक संवेदनशीलता की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद का चिंतन आज भी युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक है तथा ।प् जैसे आधुनिक विषयों के साथ सामाजिक जागरूकता को जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं समन्वयन डॉ. सौरभ वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एन.एस.एस., रोवर्स–रेंजर्स, एन.सी.सी. वॉलंटियर्स व बी.एड. प्रशिक्षुओं सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ

जिले में 25 केंद्रों पर सख्त निगरानी में 17 जनवरी को होगी टीजीटी परीक्षा, 10,080 अभ्यर्थी होंगे शामिल

लखीमपुर खीरी, 12 जनवरी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुषध्महिला) प्रारंभिक परीक्षा–2025 को लेकर जनपद में प्रशासन ने कमर कस ली है। 17 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है।इसी क्रम में सोमवार को गुरु नानक इंटर कॉलेज में एडीएम (न्यायिक) अनिल कुमार रस्तोगी की अध्यक्षता में दो सत्रों में करीब 550 कक्ष निरीक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में परीक्षा की पारदर्शिता, अनुशासन और निष्पक्षता पर खास जोर रहा।एडीएम (न्यायिक) अनिल कुमार रस्तोगी ने कहा कि परीक्षा की गाइडलाइन को अच्छी तरह पढ़ें ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना शून्य रहे। 17 जनवरी को परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली प्रातः 9 से 11 बजे तथा दूसरी पाली अपरान्ह 3 से 5 बजे तक चलेगी। परीक्षा के लिए जनपद में कुल 25 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें पहली पाली में 14 और दूसरी पाली में 11 परीक्षा केंद्र पर परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें प्रथम पाली में 5472 और द्वितीय पाली 4608 कुल 10,080 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

समन्वयी पर्यवेक्षक व डीआईओएस ने परीक्षा की समझाई तकनीकी बारीकियांपरीक्षा संचालन से जुड़े हर पहलू को स्पष्ट करते हुए आयोग द्वारा नामित समन्वयी पर्यवेक्षक अजित कटियार एवं डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने परीक्षा की रूपरेखा, समय–सारणी और आयोग के निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने परीक्षा में उनके उत्तरदायित्व बताते हुए आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने परीक्षा से जुड़ी तकनीकी बारीकियां और प्रक्रिया संबंधी दिशा–निर्देश समझाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों के प्रश्नों का सटीक और सारगर्भित उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

आरएम ज्ञान दायिनी इंटर कालेज में राष्ट्रीय युवा दिवस का हुआ आयोजन

लखीमपुर खीरी दिनांक 12 जनवरी 26 को आरएम ज्ञान दायिनी इंटर कॉलेज राजाजीपुरम राजापुर में राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राकेश वर्मा एडवोकेट ने भारत के महान संत, विचारक एवं ओजस्वी वक्ता स्वामी विवेकानंद जी के जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में श्री वर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय युवाओं को आत्मविश्वास, साहस और चरित्र निर्माण का अमूल्य संदेश दिया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध वाक्य "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए" का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति होती है। उन्होंने आगे कहा कि स्वामी विवेकानंद के अनुसार सच्ची शिक्षा वही है जो मनुष्य के भीतर छिपी हुई शक्तियों को जागृत करे। वे चाहते थे कि युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।श्री वर्मा ने कहा कि आज के आधुनिक युग में, जब युवा अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, स्वामी विवेकानंद के विचार हमें सही दिशा दिखाते हैं। यदि युवा उनके बताए मार्ग अनुशासन, परिश्रम और सेवा को अपना जीवनमंत्र बना लें, तो भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का सपना साकार हो सकता है। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सचिन शुक्ला जी ने युवा दिवस के अवसर पर सभी विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया कि वे अपने जीवन को लक्ष्यपूर्ण बनाएंगे, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे और स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने आचरण में उतारेंगे।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

एसबीएम डिग्री कालेज जाने वाला संपर्क मार्ग हुआ जर्जर

कुकरा खीरी।एसबीएम डिग्री कॉलेज एवं रमतलिया दुलारेपुर निपनिया होते हुए गोला रोड में जुड़ने वाला मार्ग हुआ गड्ढों मे हुआ तब्दील। बांकेगंज मुख्यालय के समीप से जाने वाला या मार्ग जो की पूर्ण रूप से जर्जर हो गया है जिस पर दो पहिया चार पहिया एवं राहगीरों का निकलना काफी मुश्किल हो गया है इसी मार्ग पर दुलारेपुर गांव के निकट एसबीएम डिग्री कॉलेज इसी मार्ग पर स्थित है जहां पर सैकड़ो की संख्या में रोज छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं लगभग 3 किलोमीटर लंबा यह मार्ग पूर्ण रूप से जर्जर होने के कारण छात्र–छात्राओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।एसबीएम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि यह मार्ग जो कि जिला पंचायत के द्वारा बनाया गया था जो की कई वर्षों से जर्जर पड़ा हुआ है' इस मार्ग के जर्जर होने के कारण छात्रों एवं राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं क्षेत्र के ग्रामीण एवं छात्रों ने प्रशासन से इस मार्ग का शीघ्र निर्माण करने की मांग की है।

अवैध अतिक्रमण से संकुचित हुई गली, आमजन का आवागमन बाधित

लखीमपुर खीरी।जनपद के मोहल्ला गोटैय्या बाग में सार्वजनिक सड़क व गली पर किए गए अवैध अतिक्रमण से आमजन का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। आरोप है कि मोहल्ला निवासी जाकिर खान द्वारा घर के सामने स्थित मुख्य गली में दिन–रात मोटरसाइकिल खड़ी की जाती है। साथ ही गली में चबूतरा नुमा सीढ़ी (जीना) बना रखी है, जिससे रिक्शा, दोपहिया व अन्य वाहनों के निकलने में भारी कठिनाई होती है। विरोध करने पर संबंधित व्यक्ति द्वारा गाली–गलौज व झगड़े पर उतारू हो जाने की शिकायतें सामने आई हैं।बताया गया है कि मुख्य मार्ग जहूर बाग स्कूल से मस्जिद रोड की ओर भी जाकिर खान द्वारा एक दरवाजा निकालकर नाली बंद कर दी गई है तथा सड़क पर ऊँचा चबूतरा बनाकर पूरी तरह अतिक्रमण कर लिया गया है। इसके चलते मस्जिद व कब्रिस्तान की ओर जाने वाला मार्ग अत्यधिक संकरा हो गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।मोहल्लेवासियों का कहना है कि अतिक्रमण के कारण आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है और आपातकालीन परिस्थितियों में वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। इस समस्या को लेकर पूर्व में भी जहूर बाग स्कूल से मस्जिद रोड तक अवैध अतिक्रमण के संबंध में समाचार प्रकाशित हो चुके हैं,

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मेडिकल कालेज का किया निरीक्षण

-चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, दवा उपलब्धता व मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का लिया जायजा

अयोध्या। कृषि मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के साथ राजर्षि दशरथ स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय दर्शननगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, साफ–सफाई, दवा उपलब्धता एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उपस्थित चिकित्सकों एवं अधिकारियों से संवाद कर आमजन को बेहतर, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनसेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है और इसे और सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। प्रभारी मंत्री ने ओ0पी0डी0, मरीज पंजीकरण केन्द्र, आयुष्मान सेंटर, डिजिटल एक्सरे, स्त्री एवं प्रसूति रोग काउंटर, मेडिसीन ओ0पी0डी0 कक्ष, एन0सी0डी0 कैंसर, मधुमेह हृदय रोग कक्ष, चेस्ट एवं टी0वी0 ओ0पी0डी0 कक्ष, आर्थो ओ0पी0डी0 का निरीक्षण किया व सम्बंधित चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने मरीज पंजीकरण केन्द्र पर कम्प्यूटर आपरेटर से मरीज के पंजीकरण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सालय में शौचालय की साफ सफाई को भी देखा और अच्छी व बेहतर तरह से साफ सफाई कराने के निर्देश दिए तथा आहार विशेषज्ञ कक्ष, ई0सी0जी0 कक्ष व उपस्थिति रजिस्टर की भी जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत की और दवा एवं समय समय पर डॉक्टर मरीज को देखने व पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध रहने तथा मरीजों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हों, का निर्देश सम्बंधित चिकित्सकों को दिये। उन्होंने डाक्टरों की भी जानकारी की कितने डॉक्टर कितने स्टाफ है और जिन डाक्टरों की मौके पर ड्यूटी लगी हुई थी और न समय से न मिल जाने पर उन पर नाराजगी जतायी तथा समय समय पर मरीजों को देखने के निर्देश दिये। उन्होंने सी0एम0एस0 के मौके पर न रहने और बिना बताये आफिस छोड़ने पर सख्त नाराजगी जतायी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, डा0 वीरेंद्र वर्मा,एसोसिएट प्रोफेसर मेडिसिन,डा0 विमलेश कुमार वर्मा, प्रोफेसर मेडिसिन, डा0 विनोद आर्या, डा0 आनंद शुक्ला, डा0 महेश वर्मा, मेडिकल कालेज के चिकित्सक, अन्य अधिकारीगण व स्टाफ उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।

सम्पादक
आरती पाण्डेय
ek-
9807059191- 9026560178
Email-
adbhutsamachar@gmail.com
adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।